एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 03 (मई-जून, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

बीज भण्डारण कैसे करें

(*अनिल कुल्हैरी, प्रमोद, डॉ. एस.एस. राजपूत, अनिता, रेखा खर्रा, ममता घासिल एवं सुमन चौधरी)
श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, जयपुर 303329
* kulherianil@gmail.com

फसल कटाई के बाद बीजों को कम नमी और कम तापमान पर रखने से उनकी गुणवत्ता को काफी समय तक बरकरार रखा जा सकता है । लेकिन बीजों के भण्डारण के स्थान पर अधिक नमी हो तो , बीज में कई प्रकार के कीट व कवकों का बीज पर आक्रमण हो जाता है । इससे बीजों की गुणवत्ता को भारी नुकसान पहुंचता है । वैज्ञानिक रूप से प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) बीज यदि लाते ले जाते समय सही देखभाल एवं भण्डारण नहीं किया जाये तो इसका प्रभाव बीजों के अंकुरण क्षमता पर पड़ता है ।

भण्डार गृह के लिए मुख्य बिन्दु :

- भण्डारण के लिए स्थान का चुनावः स्थान आस – पास के स्थान से ऊंचा होना चाहिए । यहाँ पानी नहीं भरना चाहिएँ एवं वर्षा का पानी नहीं रूकना चाहिए । जहां दीमक का प्रकोप हो वहां भण्डार गृह नहीं होने चाहिए।
- भण्डार गृह की सतह चिकनी एवं गड़ढे रहित होनी चाहिऐ ।
- भण्डार गृह की दीवारों में किसी प्रकार की दरारें नहीं हो क्योंकि वे कीड़ो के प्रजनन का महत्वपूर्ण स्थान होता है ।
- भण्डार गृह की खिड़कियां बन्द होनी चाहिऐ तथा छाया वाले स्थान पर होनी चाहिए ।
- भण्डार गृह की छत में भी दरारें नहीं होनी चाहिए जिससे छत से आने वाली नमी को रोका जा सके ।
- दरवाजे बड़े होने चाहिए ताकि बीज निकालने एवं अन्दर करने में आसानी रहे ।

भण्डार गृह की सफाई :

- भण्डार गृह की सफाई समय – समय पर करते रहना चाहिऐ ।
- भण्डार गृह में खाली स्थान (बोरियों के अलावा) की सप्ताह में एक बार तथा बोरियों की एक माह के अन्तराल पर सफाई करनी चाहिए ।
- दीवारों एवं छत की सफाई गंदी दिखने पर करनी चाहिए तथा कचरे को जला देना चाहिए ।
- उपरोक्त दर्शायी गई विधियों व सावधानियों का प्रयोग करने के बाद भी फीट लगने पर विभिन्न प्रकार के रसायनों का उपयोग भी किया जा सकता है ।

गेहूँ , जौ , बाजरा बीज सुरक्षा के लिऐ कीटनाशक का प्रयोग :

- डेल्टामेथ्रिन या इमामेक्टिन बेंजोएट चार ग्राम दवा को आधा लीटर पानी में मिलाकर प्रति क्विंटल बीज की दर से सीड़ ड्रेसर में मिलाकर एवं बीज को अच्छी तरह सुखाकर बोरियों में एक साल तक कीट रहित भण्डारण किया जा सकता है ।
- अखाद्य तेल का प्रयोगः नीम एवं पलास के तेल का पाँच मि.ली. प्रति किलो बीज की दर से उपयोग कर गेहूँ के बीज को एक वर्ष तक घुन से सुरक्षित रखा जा सकता है । इससे अंकुरण भी प्रभावित नहीं होता ।

दलहन बीजों के लिऐ कीटनाशक का प्रयोग :

- मूंग के बीज को इमामेक्टिन बैन्जोएट 5 SG (40 mg/ kg) से उपचारित कर एवं बीज को सूखाकर भण्डारण करने पर बीज एक वर्ष तक सुरक्षित रखा जा सकता है और बीज की अंकुरण क्षमता भी बनी रहती है ।
- कीटनाशी की मात्रा को पाच मि.ली. पानी में घोलकर प्रति कि.ग्रा . बीज को उपचारित कर एवं सूखाकर भण्डारण करना चाहिए ।
- थायरम 2.5 ग्राम प्रति किलो का उपयोग कर बीज को धौरा से सुरक्षित रखा जा सकता है ।
- चने के बीज को मूंगफली या सरसों के तेल से 10 मि.ली. प्रति किलो की दर से उपचारित कर धौरा कीट के प्रकोप से : सुरक्षित रखा जा सकता है ।

डेल्टामेथ्रिन / एमामेक्टिन का बोरियो पर छिड़काव :

- बोरियो पर डेल्टामेथ्रिन 35 मिली लीटर या इमामेक्टिन बेंजोएट 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर अच्छी तरह छिड़काव कर सुखा लेना चाहिए , फिर इनमें बीज भरकर रखने से बीज को 9 माह तक कीड़ो से सुरक्षित रखा जा सकता है ।
- भंडारण के लिए बोरियों (जूट , कपड़े व एचडी पीछे) पर एमामेक्टिन बेंजोयेट 5 एसजी (2 ग्राम) या डेल्टामेचिन 28 ईसी (3.5 मिली) प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करे , उसके बाद छाया में सुखाकर उनमें कीट रहित तथा अनुपचारित मूंग के बीजों को 9 माह तक साधारण भण्डारण गृह में सुरक्षित रखा जा सकता है । इस प्रकार बीजों की अंकुरण क्षमता भी बरकरार रहती है ।
- मूंग के बीजों को इमामेक्टिन बेन्जॉएट 40 मिली ग्राम या डेल्टामेथ्रिन 2.5 डब्लू पी . 40 मि . ग्राम प्रति किग्रा की दर से उपचारित करने पर उनका 83 भण्डारण जूट की बोरियों में 9 माह तक सुरक्षित रखा जा सकता है । बीजों की अंकुरण क्षमता भी बरकरार रहती है ।

कपास के बीजो का भण्डारण :

- कपास के बीज में छुपी हुई गुलाबी सूंडी को नष्ट करने के लिये बीजों को भूमित करने हेतु 40 किलो बीज में एल्युमिनियम फास्फाईड की गोली / पाऊच की 3 ग्राम मात्रा काफी रहती है । बीज में दवा डालकर उसे हवा रोधी बनाकर 24 घंटे तक बन्द रखने के बाद भण्डारण करें ।
- धूमित करना संभव न हो तो तेज धूप में बीजों को पतली तह के रूप में फैला कर 6 घंटे तक सपने देवे एवं बाद में भण्डारण करें ।
- भण्डारण के लिए 700 गेज पोलीथीन बैग का प्रयोग इसमें सब्जी वाली फसलों जैसे मिर्च , प्याज आदि का सुरक्षित भण्डारण किया जा सकता है । लेकिन 700 गेज पोलीथीन को ही प्रयोग करें एवं बीज में किसी प्रकार के कीट का प्रकोप नहीं होना चाहिए ।
- बैग में भरने से पूर्व बीज पूरी तरह सूखा होना चाहिए (नमी 5 प्रतिशत या 5 से कम) बीजों को कीटरहित करने के लिए फ्यूमीगेशन पद्धति का प्रयोग करें ।
- फ्यूमीगेशन : एल्यूमिनियम फॉस्फाइड की गोली ६ पाऊच की 3 ग्राम मात्रा प्रति घन मीटर भण्डारण जगह की दर से हवा बन्द भण्डार गृहों का फ्यूमीगेशन करना चाहिए । ऐसा करने पर बीज एक सप्ताह में कीट रहित हो जायेगा ।

बीज भण्डारण में सावधानियाँ :

- खलिहान से बीज को अच्छी तरह से सफाई के बाद ही भण्डारण करना चाहिऐ ।
- नमी की मात्रा 8 से 9 प्रतिशत होनी चाहिए ।
- 40–50 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान पर काले पोलीथीन के उपर बीजों को 8–10 घण्टे सुखाने पर भण्डारण कीटों का प्रकोप नष्ट हो जाता है । उसके बाद बीजों को 700 गेज पोलीथीन में सील करके रख देना चाहिए । इससे भण्डारण में कीटों का प्रकोप नहीं होता तथा अंकुरण क्षमता भी प्रभावित नहीं होती है ।
- भण्डार गृह में विण्डो ट्रेप व ग्रेन प्रोब का इस्तेमाल करके कीड़ो के आगमन का पता लगाकर उसको सही उपचार करना चाहिए ।